

## कॉलेज के छात्रों के बीच बड़े पांच व्यक्तित्व और स्वास्थ्य की मुखरता का अध्ययन

**Dr. Vineta, Assistant Professor Department of Psychology,**

**Ismail National Mahila P.G College Meerut.**

सार

भारत अपनी जातीय और सांस्कृतिक व वधता के लए जाना जाता है। व्यक्ति के व्यक्तित्व के वकास, भावनात्मक बुद्धमत्ता, समायोजन, सामाजिक-समर्थक व्यवहार, मान सक स्वास्थ्य पर जातीयता और वर्ग का काफी प्रभाव पड़ता है। जाति समाज में व्यक्ति की स्थिति और स्थिति निर्धारित करती है। इसका समग्र रूप से व्यक्ति के जीवन और आसपास के अन्य लोगों के साथ संबंधों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। व्यक्तित्व व्यक्ति के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और व्यक्ति की सफलता का पूर्वसूचक होता है। अध्ययनों से पता चला है कि व्यक्तित्व और शैक्षणिक उपलब्धि, करियर की परिपक्वता, करियर की प्राथमिकताएं, भावनात्मक बुद्धमत्ता आदि के बीच संबंध है। बिग फाइव पर्सनै लटी मॉडल को अच्छी तरह से शोधित अवधारणा मॉडल माना जाता है, जिसमें सकारात्मक और नकारात्मक दोनों लक्षण होते हैं। वर्तमान शोध पत्र का उद्देश्य विश्व विद्यालय के छात्रों के बीच बिग फाइव पर्सनै लटी पर सामाजिक भेदभाव के प्रभाव को निर्धारित करना है। अध्ययन के लए इस्तेमाल कए गए नमूने में स्तरीकृत यादृच्छिक तकनीक के माध्यम से दो विश्व विद्यालयों से चुने गए 100 (50 ओपन-मेरिट और 50 एससी) पीजी छात्र शामिल थे। डेटा संग्रह के उद्देश्य के लए इस्तेमाल कया जाने वाला उपकरण कोस्टा और मैकक्रे की बिग फाइव पर्सनै लटी प्रश्नावली (एनईओ- एफएफआई- 3) था। माध्य और t-परीक्षण का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण कया गया था। बिग फाइव पर्सनै लटी के वक्षप्तता, खुलेपन और कर्तव्यनिष्ठा कारकों पर, ओपन-मेरिट और अनुसूचित जाति विश्व विद्यालय के छात्रों के बीच नगण्य अंतर पाया गया। बिग फाइव पर्सनै लटी के बहिर्मुखता और सहमतता कारकों पर ओपन-मेरिट और एससी छात्रों के बीच महत्वपूर्ण अंतर पाया गया।

कुंजी शब्द : सामाजिक भेदभाव, बिग फाइव पर्सनै लटी मॉडल

प्रस्तावना

विश्व विद्यालय शिक्षा को सीखने का अंतिम चरण माना जाता है। यह हायर सेकेंडरी या कॉलेज की शिक्षा पूरी होने के तुरंत बाद शुरू होता है। उच्च शिक्षा के इस स्तर पर, छात्र किसी भी प्रकार की समस्याओं का

सामना करने की योग्यता के साथ वास्तविक दुनिया में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। यह इस अवधि में है, व्यक्तित्व अंतिम आकार प्राप्त करता है या लक्षण आंतरिक हो जाते हैं। भारतीय समाज में सामाजिक स्तरीकरण की प्रक्रिया व्यक्तित्व के विकास में गंभीर रुकावटें पैदा करती है। यह वभाजन व्यवसाय या जन्म के आधार पर है, जो दशकों से भारतीय समाज में है और भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के बावजूद अभी भी जारी है। अध्ययनों से पता चला है कि, जाति या वर्ग व्यवस्था अकादमिक उपलब्धि, मानसिक स्वास्थ्य, मूल्यों, समायोजन इत्यादि के मामले में किसी व्यक्ति की समग्र प्रगति को प्रभावित करती है। यह विश्व विद्यालय स्तर पर भी खतरे के रूप में बनी रहती है, जहां छात्रों को कक्षा में और बाहर भेदभाव का सामना करना पड़ता है।, सहपाठियों, प्रशासकों और शिक्षकों के माध्यम से भी।

ओपन-मेरिट (सामान्य): इस श्रेणी में वे छात्र शामिल हैं जो किसी भी आरक्षण के अंतर्गत नहीं आते हैं। उन्हें सामान्य या अनारक्षित श्रेणी भी कहा जाता है।

अनुसूचित जाति (एससी): इस श्रेणी में वे उम्मीदवार शामिल हैं जो भारतीय समाज में दलितों (अछूत) की तरह निम्नतम स्थिति पर काबिज हैं।

व्यक्तित्व को वचारों, व्यवहारों, भावनाओं के वन्यास के रूप में माना जाता है, जो किसी व्यक्ति में पर्यावरण के साथ बातचीत के परिणामस्वरूप बनता है। इसे मनोवज्ञान में सबसे ववादास्पद अवधारणा माना जाता है। व्यक्तित्व की सटीक परिभाषा प्रस्तुत करना कठिन है। हालांकि, मनोवैज्ञानिक, जिनके लिए व्यक्तित्व की अवधारणा का अत्यधिक महत्व है, व्यक्तित्व के बारे में एक सटीक बयान देने की आवश्यकता से बच नहीं सकते हैं। ऑलपोर्ट (1961) के अनुसार, "व्यक्तित्व व्यक्ति के भीतर उन मनोभौतिक प्रणालियों का गतिशील संगठन है जो उसके व्यवहार और वचार को निर्धारित करता है"। व्यक्तित्व भाषण के माध्यम से प्रकट होता है, जिस तरह से व्यक्ति उत्तेजनाओं के प्रति प्रतिक्रिया करता है, या किसी भी तरह की समस्या से निपटने के लिए लोगों की योग्यता, और मायावी वचारों को पूरा करने की क्षमता। व्यक्ति कैसे होशपूर्वक, अवचेतन रूप से और अनजाने में, उसके व्यक्तित्व के रूप में खाता है। व्यक्तित्व कारकों को समायोजन, नौकरी में सफलता, बुद्धिमत्ता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, स्वयं की भावना आदि के बेहतर ववष्यवक्ता के रूप में माना जाता है। वभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि सामाजिक भेदभाव का व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। निचली जाति या वर्ग के छात्र शर्मिले और अंतर्मुखी पाए जाते हैं जो उनके सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करते हैं। वे समाज से अलग-थलग रहना पसंद करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे उच्च वर्ग और जाति के लोगों के समान सदस्य

नहीं हैं। जो व्यक्ति बहिर्मुखता और सहमतता पर उच्च स्कोर करता है, उसे करियर के प्रकारों के बारे में अच्छी जानकारी होती है, क्यों क वे आसपास के लोगों से ज्ञान प्राप्त करने में संकोच नहीं करते (ओबी मोनिका चन्द्येरे 2017)। (बैरिक एंड माउंट 1991) के अध्ययन ने समर्थन किया क बिग फाइव मॉडल का उपयोग कसी के व्यक्तित्व का वश्लेषण करने के लए किया जा सकता है और यह भी दिखाया क आंतरिक सफलता और बाहरी सफलता के निर्धारक के रूप में कर्तव्यनिष्ठा कारक।

बिग फाइव पर्सनै लटी मॉडल

मनोवैज्ञानिकों ने इस मॉडल को सार्वभौ मक रूप से स्वीकृत सद्धान्त माना। उनका मानना है क कसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को पांच मुख्य कारकों में उबाला जा सकता है, जो हैं- खुलापन, कर्तव्यनिष्ठा, सहमतता, बहिर्मुखता और व क्षप्तता (OCEAN)।

खुलापन (ओ):

व्यक्तित्व के इस कारक को डग्री के संदर्भ में परिभा षत किया गया है, व्यक्ति नई चीजों या व भन्न प्रकार की उत्तेजनाओं के लए खुला है। इस कारक वाले व्यक्ति में जिज्ञासा, सुंदरता की बेहतर समझ, अपनी आंतरिक भावनाओं के प्रति जागरूक और निर्णय लेने की प्र क्रया में स्वतंत्र होते हैं।

बहिर्मुखता (ई)

इस कारक को आउटगोइंग और फन ल वंग के संदर्भ में परिभा षत किया गया है। इस कारक को रखने वाला व्यक्ति अपने और दूसरों के बारे में सकारात्मक भावनाओं का अनुभव करता है। उन्हें लोगों से घिरे रहना पसंद है।

सहमति (ए)

जो लोग इस कारक पर उच्च होते हैं, वे सामाजिक, निस्वार्थ, शांति प्रय पाए जाते हैं और लोगों की मदद के लए हमेशा तैयार रहते हैं।

कर्तव्यनिष्ठा (सी)

इस कारक को इच्छा नियंत्रण, सामाजिक अनुरूपता, संगठित, कर्तव्यपरायण, सक्षम, समर्पित, भरोसेमंद, जिम्मेदार, समयनिष्ठ और मेहनती के रूप में वर्णित किया गया है। जिन व्यक्तियों में कर्तव्यनिष्ठा होती है, उनके लक्ष्य कम होते हैं और वे ध्यान के साथ आत्म-अनुशासन का प्रदर्शन करते हैं।

व क्षमता (एन)

इसे तनाव का अनुभव करने की प्रवृत्ति के रूप में परिभाषित किया गया है। इस कारक पर उच्च अंक प्राप्त करने वाला व्यक्ति चंचित, निराशावादी, तनावग्रस्त और चंचित रहने वाला होता है।

उद्देश्यों

1. विश्व विद्यालय के छात्रों के व्यक्तित्व का अध्ययन करना।
2. बिग फाइव पर्सनैलिटी मॉडल के विभिन्न कारकों पर ओपन-मेरिट और एससी विश्व विद्यालय के छात्रों की तुलना करना।

परिकल्पना

1) बिग फाइव पर्सनैलिटी मॉडल पर ओपन-मेरिट और एससी विश्व विद्यालय के छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है

कार्यप्रणाली

संचालनगत परिभाषा:

वर्तमान अध्ययन के लिए, व्यक्तित्व को परिचालन रूप से उन अंकों के रूप में परिभाषित किया गया है, जो अन्वेषक को कोस्टा और मैकक्रे की बिग फाइव पर्सनैलिटी इन्वेंट्री (NEO-FFI-3) के प्रशासन के बाद मिले हैं।

नमूना:

वर्तमान अध्ययन 100 (50 ओपन-मेरिट और 50SC) विश्व विद्यालय के छात्रों पर किया गया था, जिन्हें दो विश्व विद्यालयों से स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना तकनीक के माध्यम से चुना गया था।

**औजार:**

कोस्टा और मैक्रे के बिग फाइव पर्सनै लटी स्केल की मदद से डेटा एकत्र किया गया था। प्रश्नावली में पांच कारक शामिल हैं- व क्षप्तता, बहिर्मुखता, खुलापन, सहमतता और कर्तव्यनिष्ठा। सांख्यिकीय विश्लेषण और व्याख्या कच्चे डेटा को माध्य और टी-टेस्ट सांख्यिकीय उपचार के अधीन किया गया था:

ता लका विश्व विद्यालय के छात्रों के बीच बिग फाइव व्यक्तित्व मॉडल (एन = 100) पर औसत अंतर दिखा रही है।

कारक	नंबर	न्यूनतम	अधिकतम	माध्य	वचलन
मनो वक्षुब्धता	100	9	44	25.05	5.684
बहिर्मुखता	100	8	38	27.08	4.758
खुलापन	100	18	39	27.91	4.513
सहमतता	100	11	40	26.88	5.645
कर्तव्य निष्ठा	100	14	41	29.47	5.064

उपरोक्त ता लका का अवलोकन विश्व विद्यालय के छात्रों के बीच बिग फाइव पर्सनै लटी मॉडल के पांच कारकों पर औसत ववरण प्रदान करता है। ता लका के माध्यम से स्पष्ट है कि विश्व विद्यालय के छात्रों ने 'कर्तव्यनिष्ठा' कारक पर उच्चतम माध्य प्राप्त किया। इसके अलावा, ता लका से यह स्पष्ट है कि छात्रों द्वारा प्राप्त किया गया निम्नतम माध्य बिग फाइव पर्सनै लटी मॉडल के 'न्यूरोटि सज्म' कारक पर है। व्यक्तित्व के 'व क्षप्तता' कारक पर अनुसूचित जाति और ओपन-मेरिट छात्रों के बीच औसत अंतर दिखाने वाली ता लका।

कारक	श्रेणी	एन	अर्थ	कक्षा वचलन	टी मूल्य	पी-वैल्यू
न्यूरोटि सज्म	अनुसूचित जाति	50	25.62	5.119	1.003	.318
	खुली योग्यता	50	24.48	6.198		

उपरोक्त ता लका अनुसू चत जाति और ओपन-मेरिट वश्व वद्यालय के छात्रों के बीच व्यक्तित्व के न्यूरोटि सज्म कारक के बीच औसत अंतर को दर्शाती है। ता लका से पता चलता है क व क्षप्तता कारक पर वश्व वद्यालय के छात्रों की इन दो श्रेणियों के बीच नगण्य अंतर है। औसत अंक के आधार पर अनुसू चत जाति के छात्रों ने ओपन-मेरिट से अधिक अंक प्राप्त किए।

व्यक्तित्व के 'एक्स्ट्रावर्सन' कारक पर एससी और ओपन-मेरिट छात्रों के बीच औसत अंतर दिखाने वाली ता लका।

कारक	श्रेणी	एन	अर्थ	कक्षा वचलन	टी मूल्य	पी- वैल्यू
बहिर्मुखता	अनुसू चत जाति	50	26.64	4.222	2.18	0.05
	खुली योग्यता	50	28.72	5.246		

उपरोक्त ता लका व्यक्तित्व के बहिर्मुखता कारक पर अनुसू चत जाति और ओपन-मेरिट छात्रों के बीच औसत अंतर को प्रकट करती है। ता लका दर्शाती है क इन दोनों समूहों के बीच 0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण अंतर है। इसके अलावा ओपन-मेरिट का औसत स्कोर (28.72) अनुसू चत जाति वश्व वद्यालय के छात्रों के औसत स्कोर (26.64) से निश्चित रूप से बेहतर है।

व्यक्तित्व के 'खुलेपन' कारक पर एससी और ओपन-मेरिट छात्रों के बीच औसत अंतर दिखाने वाली ता लका।

कारक	श्रेणी	एन	अर्थ	कक्षा वचल न	टी मूल्य	पी-वैल्यू
खुलापन	अनुसू चत जाति	50	27.10	4.786	1.816	.072
	खुली योग्यता	50	28.72	4.111		

उपरोक्त ता लका से यह स्पष्ट है क व्यक्तित्व के खुलेपन कारक पर सामान्य और अनुसू चत जाति के छात्रों के बीच नगण्य अंतर है। हालां क औसत अंतर ने ओपन-मेरिट का पक्ष लया ले कन अंतर कसी भी स्तर के महत्व तक पहुंचने में वफल रहा।

व्यक्तित्व के 'सहमतता' कारक पर अनुसू चत जाति और ओपन-मेरिट छात्रों के बीच औसत अंतर दिखाने वाली ता लका।

कारक	श्रेणी	एन	अर्थ	कक्षा वचलन	टी मूल्य	पी-वैल्यू
सहमतता	अनुसू चत जाति	50	25.36	4.818	2.783	.006 **
	खुली योग्यता	50	28.40	6.037		

सहमति कारक पर, ता लका 0.01 स्तर के महत्व पर अनुसू चत जाति और ओपनमेरिट छात्रों के बीच महत्वपूर्ण अंतर को दर्शाती है। यह भी स्पष्ट है क ओपन-मेरिट का माध्य स्कोर (28.40) अनुसू चत जाति के छात्रों के औसत स्कोर (25.36) से अ धक है।

व्यक्तित्व के 'ईमानदारी' कारक पर अनुसू चत जाति और ओपन-मेरिट छात्रों के बीच औसत अंतर को दर्शाने वाली ता लका।

कारक	श्रेणी	एन	अर्थ	कक्षा वचलन	टी मूल्य	पी-वैल्यू
कर्तव्य निष्ठां	अनुसू चत जाति	50	29.04	5.245	0.848	.399
	खुली योग्यता	50	29.90	4.892		

उपरोक्त ता लका से पता चलता है क व्यक्तित्व के "कर्तव्यनिष्ठा" कारक पर अनुसू चत जाति और ओपन-मेरिट के बीच नगण्य अंतर है। इस तथ्य के बावजूद क अनुसू चत जाति के छात्र का औसत अंक ओपन-मेरिट छात्रों के औसत स्कोर से अ धक है, ले कन अंतर कसी भी स्तर के महत्व तक पहुंचने में वफल रहा।

## परिणामों की और निष्कर्ष

ओपन-मेरिट और अनुसूचित जाति के विश्व विद्यालय के छात्रों की तुलना बिग फाइव पर्सनै लटी मॉडल के पांच कारकों- व क्षमता, बहिर्मुखता, खुलेपन, सहमतता और कर्तव्यनिष्ठा पर की गई थी। यह पाया गया कि व्यक्तित्व के व क्षमता, खुलेपन और कर्तव्यनिष्ठा कारकों पर दोनों समूह समान थे।

व्यक्तित्व के अनुकूलता कारक पर, मुक्त-योग्यता वाले छात्र अपने समकक्षों की तुलना में अधिक पाए गए। सामान्य वर्ग के छात्र समर्थक सामाजिक व्यवहार रखते हैं। उन्हें लोगों से घिरे रहना पसंद है। वे काफी मददगार, सहायक, सहयोगी और मलनसार होते हैं। ओपन-मेरिट छात्र आउटगोइंग, मलनसार, मुखर और जीवन्त पाए जाते हैं। वे किसी भी तरह की चर्चा में खुद को शामिल करते हैं। अनुसूचित जाति के छात्रों के शर्मिले स्वभाव का कारण समाज के इस हाशिए के वर्ग के प्रति लोगों का रवैया है। उन्हें अपमानित माना जाता है और उनके धार्मिक भाई उनसे दूरी बनाए रखते हैं। साक्षर होने के कारण, विश्व विद्यालय के छात्रावासों में उच्च जाति के छात्र निचली जाति के छात्रों के साथ कमरा साझा करने से बचते हैं। यह कारक उनके व्यक्तित्व को बर्बाद कर देता है और वे शिक्षण संस्थानों में आयोजित किसी भी समारोह में भाग लेने से भी कतराते हैं।

## संदर्भ

1. बैरक, एम.आर., और माउंट, एम.के. (1991)। द बिग फाइव पर्सनै लटी डाइमेंशन इन जॉब परफॉर्मेंस, पर्सनेल साइकोलॉजी, (44), पी- 1-26।
2. चन्यारे, ओ.एम. (2017)। व्यक्तित्व लक्षणों और कैरियर निर्णय के बीच संबंध मले श्या में पुरुष और महिला स्नातक के बीच आत्म-प्रभावकारिता बनाना, शिक्षा विश्व विद्यालय टेक्नोलॉजी मले श्या के संकाय, पीएचडी थीसिस। डॉ। उच्च शिक्षा पर राधाकृष्णन आयोग की रिपोर्ट (2017)। एनएमआईएमएस जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी वॉल्यूम 12 वृत्तीय।
3. कोस्टा पीटी, मैकक्रे आरआर (1992)। संशोधित NEO पर्सनै लटी इन्वेंटरी (NEO-PI-R) और NEO फाइव-फैक्टर इन्वेंटरी (NEO-FFI) मैनुअल। ओडेसा, फ्लोरिडा: मनोवैज्ञानिक आकलन संसाधन।
4. बर्क एलए, वट एलए। व्यक्तित्व और उच्च रखरखाव कर्मचारी व्यवहार। जे बस साइकोल 2004; 18 (3): 349-363।



5. चमोरो-प्रेम्युजिक टी, फर्नहम ए। व्यक्तित्व लक्षण और अकाद मक परीक्षा प्रदर्शन। यूर जे पर्सनल 2003;17(3): 237-250।
6. चमोरो-प्रेम्युजिक टी, फर्नहैम ए। व्यक्तित्व अकाद मक प्रदर्शन की भ वष्यवाणी करता है: दो अनुदैर्घ्य वश्व वद्यालय के नमूनों से सबूत। जे रेस पर्सनल 2003;37(4):319-338।
7. डसथ ए। अकाद मक उपलब्धि के भ वष्यवाणियों के रूप में सीखने के लए व्यक्तित्व और दृष्टिकोण। यूर जे पर्सनल 2003; 17(2):143-155।
8. जज टीए, बोनो जेई। व्यक्तित्व और परिवर्तनकारी नेतृत्व का पांच-कारक मॉडल। जे एपल साइकोल 2000; 85(5):751-765।
9. ले पन जेए, वैन डायने एल। प्रासंगक प्रदर्शन के वपरीत रूपों के रूप में आवाज और सहकारी व्यवहार: बड़े पांच व्यक्तित्व विशेषताओं और संज्ञानात्मक क्षमता के साथ अंतर संबंधों का प्रमाण। जे एपल साइकोल 2001; 86(2):326-336।
10. पौनोनन एसवी, एश्टन एमसी। शैक्षणिक उपलब्धि के बड़े पांच भ वष्यवक्ता। जे रेस पर्सनल 2001; 35(1):78-90।
11. रि गयो आरई, टेलर एसजे। धर्मशाला नर्स के प्रदर्शन के भ वष्यवक्ता के रूप में व्यक्तित्व और संचार कौशल। जे बस साइकोल 2000;15 (2):351-359।
12. बैरिक एमआर, माउंट एमके। द बिग फाइव पर्सनै लटी डाइमेंशन्स एंड जॉब परफॉर्मेंस: ए मेटा-एनालिसिस। पर्सनल साइकोल 1991; 44 (1): 1-26।